

## प्रगति आख्या

उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान मथुरा, द्वारा स्थापित महिला अध्ययन केंद्र, के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों के क्रम में दिनांक 7 मार्च 2024 को विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत ग्राम बंदी, महावन में महिलाओं के लिए एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसे विश्वविद्यालय से महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक डा वर्षा गुप्ता के साथ डा ममता, डा रेनू, तथा किरण ने संचालित किया। इस कार्यक्रम में 50 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

इस गोष्ठी में ग्रामीण परिवेश में ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के संरक्षण और उनके अपव्यय को रोके जाने पर चर्चा के माध्यम से उन्हें इसके संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। डा वर्षा गुप्ता ने बताया कि क्योंकि महिला गृहस्वामिनी होती है, इसलिए ऊर्जा के संरक्षण में वह सबसे महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है, वही ध्यान रख सकती है कि बिजली का दुरुपयोग ना होने पाए। विशेषकर बच्चों को छोटी आयु से ही इसके लिए संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर महिलाओं को पशुपालन के सम्बन्ध में भी वैज्ञानिक जानकारी दी गयी। डा ममता ने एक व्याख्यान के माध्यम से महिलाओं को पशुपालन से सम्बंधित लेखा जोखा रखने, नवजात बछड़ों के महत्व एवं देखभाल, समय पर खीस पिलाने के महत्व, गर्भित पशु की देखभाल आदि से सम्बंधित विषयों पर वैज्ञानिक तथ्यों से उन्हें अवगत कराया। चर्चा को रोचक बनाने के प्रयास में महिलाओं के लिए एक मनोरंजक गतिविधि का भी आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। प्रथम तीन महिलाओं को पुरुस्कार प्रदान किये गए। डा रेनू ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से पशुओं पर पड़ने वाले प्रभाव एवं संभावित निदानों पर महिलाओं को जागरूक कराया साथ ही उन्होंने पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति हमारे दायित्वों के प्रति महिलाओं का ध्यान आकृष्ट कराया एवं हम कैसे अपनी दैनिक गतिविधियों में थोड़े से सजग होकर कैसे पर्यावरण को दूषित होने से बचा सकते हैं, उन बातों से महिलाओं को अवगत कराया। श्रीमती मृणालिनी दीक्षित ने महिलाओं से फीडबैक भी लिया। अंत में सभी महिलाओं को स्वल्पाहार वितरित करके धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

